



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 532] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 15, 1977/अग्रहायणा 24, 1899

No. 532] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 15, 1977/AGRAHAYANA 24, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

*New Delhi, the 15th December 1977*

**S O. 839(E).**—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) No S O 27(E) dated the 13th January 1975 (hereinafter referred to as the said Order) as amended by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No S O 11(E) dated the 2nd January, 1976 and the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S O 20(E) dated the 12th January, 1977, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into given or made, as the case may be, before the 7th May, 1973, to which the industrial undertaking known as M/s Arthur Butler and Company (Mozufferpore) Limited, Muzaffarpur (Bihar) or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company and in force immediately before the date of issue of the said Order shall remain suspended upto the 12th January, 1978, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the 7th May, 1973, shall remain suspended upto the 12th January, 1978;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 13th December, 1978,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 13th December, 1978

[No. F. 25/14/72-CUC]

P. C. NAYAK, Jt Secy.

**उद्योग मंत्रालय**  
**(औद्योगिक विकास विभाग)**

आदेश

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1977

का० आ० 839 (अ) — भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 11 (अ) तारीख 2 जनवरी, 1976 तथा भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 20 (अ) तारीख 12 जनवरी, 1977 द्वारा यथा संशोधित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का० आ० 27 (अ) तारीख 13 जनवरी, 1975 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि 7 मई, 1973 के पूर्व, यथास्थिति, किए गए या दिए गए और इस आदेश के निकाले जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी या कोई भी संबिदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पचाटों, स्थायी आदेशों, या अन्य लिखितों का, जिनका कि सैसर्स आर्थर बटलर एण्ड कम्पनी (मुजफ्फरपुर) लिमिटेड, मुजफ्फरपुर (बिहार) या ऐसे उपक्रम की स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 12 जनवरी, 1978 तक निलंबित रहेगा और 7 मई, 1973 के पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व 12 जनवरी, 1978 तक निलंबित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 13 दिसम्बर, 1978 तक की और अवधि तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी जानी चाहिए ,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 13 दिसम्बर, 1978 तक की और अवधि तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ानी है ।

[सं० फा० 25/14/72-सी० यू० सी०]

पी० सी० नायक, समुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा

मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977